THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA) (a) No, Sir. The production of finished carbon steel reached an all time high of 22.72 million tonnes during 1996-97, recording an increase of 6.17% over the previous year.

(b) and (c) Do not arise

**भिलाई इस्पात संयंत्र में नियुक्तियां**

602 **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भिलाई इस्पात द्वारा वर्ष 1995 एवं 1996 में कितने लोगों की नवीन नियुक्तियां किन-किन पदों पर की गयी हैं;

(ख) इन पदों पर स्थानीय, क्षेत्रीय एवं अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति के लोगों को प्राथमिकता दिये जाने एवं उनके लिये आरक्षित रखे गये पदों का विवरण एवं उन पर नियुक्त किये गये व्यक्तियों एवं पदों के नाम एवं नियुक्ति तिथि क्या है;

(ग) इन पदों पर नियुक्ति दी जाने से पूर्व क्या सभी प्रकार की योग्यताओं और अनिवार्यताओं की जांच प्राथमिकता एवं आरक्षित पदों के अनुसार कर ली गयी थी; और

(घ) यदि हां, तो इस तरह जांच कर सभी बातें सही होने की प्रमाणित करने वाले अधिकारियों के नाम एवं पद नामों का ब्यौरा क्या है?

**इस्पात मंत्री तथा खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य):** (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और संभा पटल पर रख दी जाएगी।

**Revival of IISCO**

603. SHRI J. CHITHARANJAN: SHRI GURUDAS DAS GUPTA:

Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether Government have drawn up a revival package for IISCO;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA) (a) to (c) SAIL have submitted a proposal to revive IISCO in a Joint Venture partnership with M/s. Tyazhpromexport (TPE) of Russia. This proposal is dependent on the use of Rupee Debt funds for which an inter-Governmental agreement between Government of India and the Russian Government is required.

**Failure of Domestic steel Industry to meet targets**

604. SHRI NARENDRA MOHAN: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether the domestic steel industry has failed to meet the production and consumption targets set for 1996-97;

(b) whether both public and private sector are responsible for this;